



ॐ नमो नलत्रयाय ॥ ॐ नमो ग्रीष्मार्कवलाकि नमो ग्रीष्मार्क
विनाह ॥ विधिथं कलंग स्थापन ॥ मंगलप्रथम ॥ कलंग सग्वन मतवलिपंचगव्य
पात्रध्यापनप्रजाः सूर्योदी ॥ प्रजापति कल्पयाक ॥ पंचगव्य साधना ॥ सिधनयः स
माधियाय ॥ कलंग सवधेन प्रजा ॥ प्रतीमा द्रवता पूजा ॥ मंगल पूजा ॥ ॥
लोकेश्वर समाधि ॥ ॐ नमो नलत्रयाय ॥ ॐ नमो ग्रीष्मार्कवलाकि नमो ग्रीष्मार्क
य ॥ प्रतीक नमो नमो दिता पञ्चावयव ॥ ॐ समन्ताहनुमावुद्धा असुखादि

कुसेहिता ॥ द्वादशस्वीष्टाज्ञातकंतया ॥ ॐ नमो अष्टादशस्वीष्टाज्ञातकंतया ॥ प्रीकानं
संतवनाथं कनूनाथं त्रिधामानसं अष्टादशपाशनामातां लोकनाथं नमो
हं ॥ ॥ द्वादशस्वीष्टाज्ञातकंतया ॥ ॐ नमो अष्टादशस्वीष्टाज्ञातकंतया ॥ प्रीकानं
योगुतावना ॥ वाक् ॥ ॐ स्वरावतु द्वादशस्वीष्टाज्ञातकंतया ॥ प्रीकानं
स्वाहावाक् ॥ ॐ नमो अष्टादशस्वीष्टाज्ञातकंतया ॥ प्रीकानं
विष्णोपनिषद् मंगलं तस्मात्प्रीकानं तनुपहरीतममनग्री अष्टादशपाशनामा

कञ्चनं तावद्यत् ॥ हं न क्षमता ॥ अं वकुलं हृदयं पुनिं प्रवृत्तं विनं समं
 हितं विष्मला कुंकटसिन्धुमानसं ॥ जटामकुटधरं नृपं जह्नुपविततापसं
 गोनालकुटिसमायुक्तं वनदपंकजधातिर्न ॥ श्री अमाद्यपारमहं ॥ दक्षिणहस्त
 अस्कात्रं चन्द्रमं ॥ वामहस्त अस्कात्रं सूर्यमं ॥ पमहस्तं ॥ दक्षि
 णं अस्वर्णं ॥ कनकपल्लवं दक्षिणं ॥ ॐ वूं अं जिं रं वं ॥ ॐ लामापातां हूं ॥ ॐ आहं
 षट् अंगन्यास ॥ ॐ वीं जुयाय हूं ॥ पापखलुन ॥ ॥ ॐ अमाद्यपारमहं ॥
 सिलि ॥ ॐ जयाय हूं ॥ श्री लुं विजयाय हूं ॥ कथू ॥ ॐ ईश्वरं नदाय हूं ॥ नृप

स्वाहा

ॐ जय वीजयाय हूं ॥ नाहि ॥ ॐ हं अत्यप्रदाय हूं ॥ पादो ॥ जय स्वयं ॥ ॐ प्रीति
 य हूं ॥ श्री ॥ ॐ किं गिग हूं ॥ ललात ॥ ॐ वज्रपाय हूं ॥ नृपति ॥ ॐ स्वर्ग हं
 हूं ॥ कलुषि ॥ ॐ लोकां न हूं ॥ नास ॥ ॐ मंजुषाया हूं ॥ जिह्वा ॥ ॐ सर्वनीवत
 हायि कृति हूं ॥ हृदय ॥ ॐ समकाल हूं ॥ संयुति ॥ ॐ अजिनाय हूं ॥ ज
 णाला ॥ ॐ अपलाजीताय हूं ॥ खड्गालाहा ॥ ॐ हं मानसमिपुमर्दनाय हूं
 ॥ मूर्खा ॥ ॐ अकालमूलपुष्पमनी हूं ॥ हृदय ॥ ॐ धनदाय हूं ॥ जय पुलि ॥
 ॐ हं वसुधाय हूं ॥ वज्रपुली ॥ ॐ अमृतालयसह हूं ॥ ॐ अमा

नीम

घोंकुम्भयजह्वं स्वाहा ॥ सर्वसिद्धिस्तुति ॥ अंगन्यास ॥ ॥ वाक्छन्दः ॥ ॐ
 इदं श्रीकाशनामोद्गातुं शुभं भवति ॥ अङ्कनित्यं नृपतिसुतं श्रीभूमाद्यपञ्चम
 मायलक्ष्मीकर्मयन् ॥ मन्त्रसप्तस्वीकार्य ॥ ॐ अमाद्यपञ्चमलोकभवाय श्री स्वा
 हा ॥ ॐ श्री लक्ष्मीविजयाय अमाद्यपञ्चमप्रतिहन्तरी दुष्टस्वाहा ॥ ॐ मन्त्रिपञ्च
 ह ॥ मन्त्र ॥ ३ ॥ ॐ अमितायाय नमः पूर्वाप्रतिहन्तरी स्वाहा ॥ ॐ ॥ अथ चिह्नं ॥ न
 कृपमा ॥ ॐ अमाद्यं कुम्भय स्वाहा ॥ हजान ॥ चिह्नं ॥ अंकुश ॥ ॐ ताराय स्वा

हा ॥ जग ॥ अथ चिह्नं ॥ ॐ ह्रीं स्त्री ॥ ॐ ह्रीं कुटिलानामर्थस्त्री स्वाहा ॥ मन्त्र ॥ अथ यन्त्र
 स्वाहा ॥ ॐ सधनकुम्भाय स्वाहा ॥ अग्नय ॥ मन्त्र ॥ ॐ आयुर्विलाकी
 ताय स्वाहा ॥ नमः ॥ नमः ॥ ॐ स्वस्ति सधन्याय स्वाहा ॥ वायुय ॥ चिह्नं ॥
 कुम्भाय ॥ ॐ हयग्रीवाय स्वाहा ॥ कुम्भान ॥ चिह्नं नमः ॥ ॥ अग्नि
 ताय स्वाहा ॥ पूर्व ॥ ॐ अपनाजीताय स्वाहा ॥ दक्षिण ॥ ॐ मातृसन्निपुणद्वी
 य स्वाहा ॥ पश्चिम ॥ ॐ बलदाय स्वाहा ॥ ॐ जयविजयाय स्वाहा ॥ अग्नय ॥ ॐ

लदाय स्वाहा ॥ नमः ॥ ॐ वसुधा माय स्वाहा ॥ वायु वा ॥ ॐ अरुण प्रदाय स्वाहा ॥
 ॐ आन ॥ ॐ धनदाय स्वाहा ॥ मध्य ॥ नमः यानी मरुध ॥ धूमि न प ह सु वाय
 ॥ ॐ प्रक वृक्षानमः ॥ स्वाहा ॥ ॐ नमः सुवर्ण प्रदायिनी ॥ नमः नाना माय न
 अगताय स्वाहा ॥ ॐ नमः सिंह विक्रीरित ताजाय तथा गताय स्वाहा ॥ ॐ
 मासु प्रकृति नाना जाय तथा गताय स्वाहा ॥ पूर्व ॥ ॐ नमः समन्त न ह
 र्गुणतरी कुच ताजाय तथा गताय स्वाहा ॥ ॐ नमः ॥ विपरीत न तथा

गताय स्वाहा ॥ ॐ नमः निरिक्त तथा गताय स्वाहा ॥ ॐ नमः विष्णु प्रदाय तथा
 गताय स्वाहा ॥ ॐ ॥ ६ ॥ श्री ॥ ॐ नमः कृष्ण प्रदाय तथा गताय स्वाहा ॥ ॐ न
 मः कनक मुनिय तथा गताय स्वाहा ॥ ॐ नमः काष्ठ पाय तथा गताय स्वाहा
 ॥ ॐ नमः ॥ क मुनिय तथा गताय स्वाहा ॥ ॐ ॥ पश्चिम ॥ ॐ नमः सुपत की
 र्तिनाम रघु पाय तथा गताय स्वाहा ॥ ॐ नमः समन्ताव ल स विजिग स
 मप्रिय तथा गताय स्वाहा ॥ ॐ नमः ॥ ॐ कृष्ण प्रदाय तथा गताय स्वाहा
 ॥ ॐ नमः ॥ ननु प्रताप मधु न नायाय तथा गताय स्वाहा ॥ ॐ ॥ ७ ॥ ॐ तिष्ठ

रमादहम् ॥ थुं पि न प कु न सी ॥ ॐ पू व न वा य स्वा हा ॥ अरु ग्र म ॥ ॐ

धू प ना रा र्थ स्वा हा ॥ न मि त्त ॥ ॐ दि प ना रा र्थ स्वा हा ॥ ना यू य ॥ ग न्ध
ना रा र्थ स्वा हा ॥ ॐ न म ॥ पु र्व नि सं च्या गु दि ग सं ॥ ॐ द्रा य अ सू ना धी
प न स स्वा हा ॥ पू र्व ॥ ॐ व मा य प्र ना धि प न य स्वा हा ॥ द क्रि ह ॥ ॐ व ग्ना
य ना गा धि प न य स्वा हा ॥ प म्भ ॥ ॐ कु व रा य य क्ता धी प न य स्वा हा ॥

वायु वा प व त्त धि प न य स्वा हा ॥ वा यू य ॥

ॐ ल न ॥ ॐ अ ग्न ध न ता धि प न य स्वा हा ॥ अ ग्न य ॥ ॐ न म ॥ ना क सा धि प
न य स्वा हा ॥ वे सू र्य ॥ ॐ ॐ न म ॥ ना र्ग ना धि प न य स्वा हा ॥ ॐ न म ॥ ॐ ॐ ॐ वृ क्त न
ला का प न य स्वा हा ॥ ॐ च द्वा न क्ता धि प न य स्वा हा ॥ ॐ सूर्या ग्र हा धि प न य स्वा हा
॥ ॐ स ॐ पू धि वी ला क मा ग्न य स्वा हा ॥ ॐ वी म चि त्ता अ सू ना धि प न य स्वा हा ॥ ॐ ना
ग स ज ला धि प न य स्वा हा ॥ ॐ स ॥ पं चा प च स पू ना ॥ ॐ स ल ता स्या ॥ कि ग ति ने ॥

वृ ॐ न मा मि स कं स त्त व पु न ॥ पु न ॥ ध म्भ नि त्त व स धं च न मा मि स त्त व ॥ ॐ

कुशुभुखात्ररासभद्राप्रसवतंससिर्तसर्वहविर्धनमाहयहरीप्रासंजाधालमं॥
यंतंसिकमनुर्वचकमलुंरुमलमंप्रसकवरुहपत्रमं॥३॥तंसितसाहकोनकप्रामय॥॥
पला॥विहीनत्यादि॥ततः॥पापदसनाकुतकादिनमनुप्रादिनमयमचिदनीहितहाय
नोःपुनिदसयमिपूजा॥३॥पुनत्रकंनसम्यगंविनरथ॥अवकषत्रजिनालुमाजननिन
सुनसंतनानिकुल्लालानिमनुमादिगानि॥२॥धर्मसम्यक्निनातासयामिजितुदिपय
सर्वहावनसर्वहासत्रनंजामिहीसर्वहावनवाधिजीर्णरथ॥२॥रुद्रमाहर्गिता

नवकुण्डियाग॥॥तद्वरमेतीकलुभासूदनाय॥अथपुनत्रयाविहावातायय
॥॥३॥स्वरावमुहासवधिर्महिंस्वरावमुहाहं॥अथतांस्तनवजस्वरावात्मकाहं॥चि
तुमातुंनवेनिदकाधिसरातपूजा॥॥३॥पुतिधनवसात्मकंमुन्यातातपुतिवृद्धेयथा
हिजातमानवस्वापीतासर्वनथागतथाहंसार्पयामि॥३॥गुदिवनवादिना॥३॥आ॥
॥३॥सर्वनिथागत॥॥रिषकसमसूतं॥॥तत्रकुलसहाय॥॥३॥विषेकमाहावजुर्गुध
गूकनमस्तुतयूमाकंपूजनाथमयमकृष्टपंचकुलहयौ॥मकृष्टपय॥॥३॥सर्ववृठ





हाधिपतय स्वाहा ॥ ॐ चक्रानक गाधिपतय स्वाहा ॥ ॐ अर्धपुथी ए स्वाहा ॥ ॐ
नाग ए स्वाहा ॥ ॐ यक्ष ए स्वाहा ॥ ॐ अमूल ए स्वाहा ॥ ॐ सर्वदे गय दिगम्भ
गन्धकपालाधिपतय स्वाहा ॥ पंचयत्न पूजा ॥ हंत स्वर्णिना वाक् ॥ तना अलि
कालिपालिनन चक्रसूर्यचिह्नक तद्वयानहंकात दृष्टुं याना नूगता सवृद्धिर्म
पातस्य गान्धर्व नूगता सवृद्धिर्म अंत्यता नू प्रविष्टुं सवृद्धिर्म दिवा प्रमाहंतमय
प्रमाहंतं नू के वा चयतस्य तं प्रमाहंतं नू सतत नू हृदय नू दया ममानू गूढ हृद
एता हंत एव सुकृजिह्वा विहावा ॥ ॐ वज्रं प्रलज्जिह्वं वहा ॥ ॐ नू अर्धपुथी विला किन

[illegible]

हां हं लु हां लु न्यता सुत वजस्य हा वासुधा हं ॥ लु न्यता विहावा ॥ ततः हृदि कृपं कात्र न विभु
 दलपत्र कलि बुध प्रतिचक्र मनु लु न्यता पति हि कात्र तस्य नि स म न श्री अभा घ पा स हा क न
 न हा व भुत ॥ ॥ हं हं हं ॥ लु अभा घ पा स हा क न प्र व स को ना य पा घा धि अ च म
 न व भु म ने प्रति कृ स्वा हा ॥ व जं कृ स म् डा ठ ह कृ का य ॥ ॐ व जं कृ स ज हं ॥ ॐ व जं घा स
 हिं ॥ ॐ व जं कृ र पं ॥ ॐ व जं कृ म हाः ध न म लु स हा हृ स्वा न य य क ॥ वा क ॥ ॐ
 दि वृ हिं का त र स मी म् डा सं स्पृ र्थ अ क व रु व न सि तं श्री अभा घ पा स हा क न
 न स मा नुः रा य व ज प्र धं प्रति कृ स्वा हा ॥ हृ स ॥ ॐ अभा घं कृ सा ये व ज प्र धं प्रति कृ स्वा हा
 हा वं मा क र्थीतः स्वा न वी य कृ वा क ॥ ॐ अभा घ पा स हा क न य न य जि स्वा हा
 म धाः

॥ हृ स ॥ ॐ अभा घं कृ सा ये व ज प्र धं प्रति कृ स्वा हा ॥ ज हा ॥ ॐ हृ कृ ति ता ना र्थ व ज प्र धं
 प्रति कृ स्वा हा ॥ व डा ॥ ॐ सृ ध न कृ सा ना र्थ स्वा हा ॥ अ र म ॥ ॐ अभा घं कृ सा कि म नु ना
 य व ज प्र धं प्रति कृ स्वा हा ॥ न म म ॥ ॐ व र य स प्य ना य व ज प्र धं प्रति कृ स्वा हा ॥ वा य
 य ॥ ॐ हृ य ग्री वा य व ज प्र धं प्रति कृ स्वा हा ॥ स म न ॥ ॐ अभा घं कृ सा य स्वा हा ॥ प्र वृ दि
 हा न ॥ ॐ अभा घं कृ सा य स्वा हा ॥ दृ ज्जी हा ॥ ॐ मा त र्थ म प्र म दू स य स्वा हा ॥ प र म
 उ व ल दा य स्वा हा ॥ अ र म ॥ ॐ ज मा य स्वा हा ॥ न म म ॥ ॐ वी ज मा य स्वा हा ॥ वा य
 ज य वि ज या य स्वा हा ॥ ॐ स म न ॥ ॐ य स दा य स्वा हा ॥ ॐ य स न्ध य ना य स्वा हा ॥ अ म
 य प्र दा य स्वा हा ॥ ॐ ध न दा य स्वा हा ॥ न न धा नी म र्ध ॥ ॐ पि न हृ म न

नीलं पद्मं ह २ वा य ॥ ॐ प्रह्लादकृष्णाय नमः स्वाहा ॥ ॐ नमः सुवर्णप्रतापिनः
 अत्र ना जायत तथ गताय स्वाहा ॥ ॐ नमः सिंहविकीर्णितजा जायत तथ गता
 य स्वाहा ॥ ॐ नमः सुप्रतीक्षितजा जायत तथ गताय स्वाहा ॥ ॐ नमः पूर्व ॥
 ॐ नमः समकर्मसुखकृष्णाय जायत तथ गताय स्वाहा ॥ ॐ नमः विपश्चि
 न्तथ गताय स्वाहा ॥ ॐ नमः श्रीरिवन्तथ गताय स्वाहा ॥ ॐ नमः विष्णु
 हावाय तथ गताय स्वाहा ॥ ४ ॥ दक्षिण ॥ ॐ नमः ककुत्स्थाय तथ गताय
 स्वाहा ॥ ॐ नमः कनकमूनयतथ गताय स्वाहा ॥ ॐ नमः काश्यपाय तथ ग
 ताय स्वाहा ॥ ॐ नमः साकम्बनयतथ गताय स्वाहा ॥ ४ ॥ पश्चिम ॥ ॐ न

मासुपविकीर्णितनाम २ ध्यायाय तथ गताय स्वाहा ॥ ॐ नमः समकाव
 हासविजितसंश्रमसिन्धुयतथ गताय स्वाहा ॥ ॐ नमः सुककुत्स्थाय तथ गताय स्वाहा
 यतथ गताय स्वाहा ॥ ॐ नमः जलपूजासम्पन्नजायतथ गताय स्वाहा
 ॥ ॐ नमः ॥ इति आदमदलम् ॥ ध्यायेत्पितृपुत्रान् ॥ ॐ पूज्यतानां य स्वाहा
 ॥ ॐ धूपताय स्वाहा ॥ ॐ दीपताय स्वाहा ॥ ॐ गन्धतानां य स्वाहा ॥ ॥ ध्यायेत्
 संपूर्वनीलं व्यागुदीगर्भं ॥ ॐ सुहाय्यसूत्राधीपतय स्वाहा ॥ पूर्व ॥ ॐ
 यमाय प्रताधिपतय स्वाहा ॥ दक्षिण ॥ ॐ वज्रसमनागधिपतय स्वाहा
 ॥ पश्चिम ॥ ॐ कुक्ष्याय मन्त्राधिपतय स्वाहा ॥ इति ॥ ४ ॥ ॐ अर्जुनय

साधितपस्वहा ॥ अग्नय ॥ देवायुष्यवत्साधितपस्वहा ॥ वायव्य
ॐ नमस्तु साधितपस्वहा ॥ नमस्तु ॥ ॐ नमस्तु साधितपस्वहा
हा ॥ ॐ नमस्तु ॥ ॐ ॥